

>

Title: Regarding reported economic condition of the country due to continuous decline in value of rupee.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): धन्यवाद अध्यक्ष जी। मैं आपके प्रति आभारी हूँ कि इस गंभीर संकट की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए हमें बोलने की अनुमति दी है।

अध्यक्ष जी, अभी परसों ही इस सदन में, जैसा आपने अभी कहा, देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा हुई थी और उतर देते हुए वित्त मंत्री जी ने एक लम्बा-चौड़ा वक्तव्य दिया था। उन्होंने अपनी ओर से दस कदम गिनाए थे और यह कहा था कि अगर इन दस कदमों को अमलीजामा पहनाएं, तो अर्थव्यवस्था उभर सकती है। चाहिए तो यह था कि वित्त मंत्री के उस बयान के बाद देश का विश्वास बढ़ता, निवेशकों का हौसला बढ़ता और रुपये चाहे दस-बीस पैसे ही सही, बढ़ता और अगर बढ़ता नहीं, तो कम से गिरने से रुकता, लेकिन अध्यक्ष जी, हुआ इसके एकदम विपरीत। कल सेंसेक्स के लुढ़कने के बाद रुपये ने इस तरह से फिसलना शुरू किया, इस तरह से गिरना शुरू किया कि 67 रुपये से फिसलते-फिसलते रात को 68.89 रुपये पर आकर रुका। कल तो टीवी चलाने से डर लग रहा था क्योंकि हर आधे घण्टे बाद दस पैसे गिर जाते थे, पचास पैसे गिर जाते थे, 60 पैसे गिर जाते थे। मुझे दुख है इस बात का कि वित्त मंत्री जी ने बोलते हुए जो कारण बताए, उन कारणों के आधार पर उनको निष्कर्ष यह था कि चूंकि पॉलिटी डेवाइडेड है, इसलिए अर्थव्यवस्था की यह हालत हुई है। मैं आपसे कहना चाहूंगी कि आप विपक्ष पर डिवीजन का आरोप लगाने से पहले जरा अपने घर की तरफ देखिए। कारण यह है कि सरकार अपनी अर्थनीति पर एकमत नहीं है, सरकार अपने सहयोगी दलों के साथ भी एकमत नहीं है। बहुत सी चीजों को करने के लिए जहां विपक्ष ने सहमति दी है, वे भी सरकार इसलिए नहीं कर पाती हैं क्योंकि कैबिनेट से उनको निकाल नहीं पाती है। मुझे दुख से कहना पड़ता है कि उन्होंने बहुत गुप्त तरीके से ही सही, लेकिन ज्यादातर आरोप उन्होंने अपने पूर्वाधिकारी पर लगाए, अपने पूर्व वित्त मंत्री पर लगाए, जो इस समय हमारे महामहिम राष्ट्रपते हैं। किसी भी तरह से अपनी जिम्मेदारी से वह बरी होना चाहते थे। यह भी इस सरकार की चाल है कि हमेशा अगर प्रधानमंत्री हों, तो वे कहेंगे कि भ्रष्टाचार के लिए राजा जिम्मेदार हैं, महंगाई के लिए शरद पवार जिम्मेदार हैं और चिदम्बरम जी कहेंगे कि मेरे पूर्वाधिकारी जिम्मेदार हैं।

अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहती हूँ कि रुपया केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं होता, रुपया केवल एक करेंसी नहीं होती, इस करेंसी के साथ देश की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई होती है और जैसे-जैसे करेंसी गिरती है, तैसे-तैसे देश की प्रतिष्ठा गिरती है। इसलिए आज मैं आपसे मांग करती हूँ कि वित्त मंत्री के बयान का जो हश्र होना था, हो गया। हमने देख लिया, इसलिए आज हमें प्रधानमंत्री जी से इस पर वक्तव्य चाहिए। शायद सबसे बड़ा रिविलेशन इस देश अगर आज कोई हुआ है, तो वह है कि जो लोग इकोनॉमिक्स में डॉक्टरेट्स किए हुए हैं, जो इकोनॉमिक्स में पीएचडीज लिए हुए हैं, वे लोग इस देश की इकोनॉमी, इस देश की अर्थव्यवस्था को संभाल नहीं पा रहे हैं। इसलिए हम देश के जाने-माने अर्थशास्त्री प्रधान मंत्री जी से इस सदन में वक्तव्य की मांग करते हैं। प्रधान मंत्री जी आएँ और बताएं कि रुपया जिस तरह से गिर रहा है, क्या यह गिरावट रुकेगी और रुकेगी तो उन्होंने इसके लिए क्या उपाय सोचे हैं? मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगी कि आप सरकार को निर्देशित करें कि स्वयं प्रधान मंत्री जी आएँ और इसके ऊपर सदन में वक्तव्य दें।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाएं, मुलायम सिंह जी को बोलने दें।

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, जिस तरह से रुपए की गिरावट कहां से कहां तक पहुंच गई है, आप देखें कि आज एक डॉलर की कीमत 69 रुपए हो गई है। इसके लिए सरकार ने क्या किया? पहली तो सरकार की जिम्मेदारी यह बनती थी कि रुपए की कीमत डॉलर के मुकाबले ज्यों की त्यों रखने की कोशिश करती। अगर रुपया नहीं ठहरता तो थोड़ी बहुत गिरावट हो सकती थी। लेकिन यह तो रोजाना गिर रहा है। इसके पीछे हम तो कोई षडयंत्र मानते हैं। यह सब सरकार की गलत नीतियों के कारण हो रहा है। हम लोगों ने पहले भी कहा था कि आपकी नीतियां गलत हैं और बजट भी देश की नीति के खिलाफ पेश किया गया था। जिसमें गरीबों और किसानों के लिए कुछ नहीं किया गया।

मैं तीन बातें सरकार से पूछना चाहता हूँ। रुपए की कीमत पहले जहां थी, वहां रहनी चाहिए। अगर रुपया थोड़ा बहुत गिरता तो वहां ठहर जाना चाहिए था। यह तो कोई बात नहीं हुई कि रोजाना इसकी कीमत घट रही है। इसके पीछे क्या कारण है? इसे रोकने के लिए आपने क्या प्रयास किए हैं, यह स्पष्ट करें और बताएं कि यह कहां जाकर रुकेगा? यह ठीक है कि प्रधान मंत्री जी माने हुए अर्थशास्त्री हैं। इसलिए प्रधान मंत्री जी की तरफ से सदन में बयान आना चाहिए कि सरकार ने रुपए को गिरने से रोकने के लिए क्या-क्या उपाय किए हैं और उससे क्या होगा? लगता है कि सरकार को सोना गिरवी रखना या बेचना पड़ेगा। पहले भी जब हम थे, सोने को गिरवी रखा गया था। आपके खाते में सोना काफी मात्रा में है। इस समय हिन्दुस्तान के पास दुनिया में सबसे ज्यादा सोना है और दुनिया की निगाह इस पर है। सरकार बताए कि क्या सोने को बेचने से इस कठिन परिस्थिति से निजात पाई जा सकती है? आज महंगाई भी बहुत बढ़ी समस्या है। अगर इसी तरह से चलता रहा तो महंगाई और बढ़ेगी तथा विकास के काम अवरुद्ध हो जाएंगे। न सड़कों का निर्माण होगा, न पानी मिलेगा और न दवाएं उपलब्ध होंगी। अगर इस तरह से रुपए की कीमत घटती गई तो गरीब बर्बाद हो जाएंगे, उन्हें न दवाएं मिलेंगी, न पानी मिलेगा और न ही किसानों की अच्छी पैदावार हो पाएगी। देश और कठिन परिस्थिति में चला जाएगा। इसलिए सरकार बताए कि उसने इस समस्या से निपटने के लिए क्या-क्या उपाय किए हैं और रुपए का गिरना कहां रुकेगा? हम चाहते हैं कि यह पहले वाली स्थिति पर ज्यों का त्यों रहना चाहिए।

MADAM SPEAKER: Prof. Saugata Roy.

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Madam, I had given a notice for suspension of Question Hour....(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Yes. That is why I have asked you to speak.

PROF. SAUGATA ROY: I also gave notice of an Adjournment Motion to discuss the drastic fall in the value of rupee.

MADAM SPEAKER: That has been disallowed. But I am asking you to speak now.

...(Interruptions)

PROF. SAUGATA ROY : Madam, now you have allowed me to speak. That is why I am very much grateful that you have used your discretionary powers to give me a chance to speak.

The drastic fall in the value of the rupee is causing concern nation-wise and internationally where the rupee fell to a new low of 68.80 per dollar yesterday. We discussed the whole economic situation in the House day before yesterday. The Finance Minister listed a series of ten steps that are to be taken to improve the situation but he did not mention one single step, a drastic step to stop this cascading fall of the rupee which has gone through the roof. Now, the indications are very bad; the chances of war in Syria will push up oil price. And, on the other hand, some economists are saying that ever since the Food Security Bill was passed, there is a fear that the fiscal deficit would increase and that is what is pushing the rupee further down. We, therefore, need a Statement from the Prime Minister about the drastic steps contemplated. What are the drastic steps contemplated? Some people have suggested that you should bring out the hoarded gold in the country.

Some people have suggested that you issue gold bonds like it was done earlier. Other people have suggested that some forward steps should be taken. On that day, the Finance Minister just skipped the issue of fall of rupee. The Government has issued a statement saying that rupee will correct itself. When? By tomorrow or day after tomorrow, it would breach the Rs.70 mark. The result will be that all imports will be costlier; all foreign travel would be costlier; people studying outside would pay costlier fees. The country is going through an economic abyss. ...(Interruptions)

Madam, you have been kind in allowing me. Through you, I would appeal to the Government that let the Prime Minister come and make a statement in the House, reassuring the House that all is well or all is not well, and the steps the Government plans to take to reverse this drastic fall in rupee. It has depreciated 21 per cent since 2nd April. From Rs.48 in January, 2012 it has fallen 20 points to Rs. 68 per dollar on August, 28, 2013.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष जी, सभी सदस्यों ने चिंता व्यक्त की है और मैं भी सरकार से कहना चाहता हूँ कि 400 साल का इतिहास गवाह है कि यह जो करेंसी होती है, इसकी साथ गिरने से देश बहुत बड़े संकट में आता है। रूस का जब विखंडन हुआ था तो उस समय वहाँ के प्रधान मंत्री अमरीका से 1 मिलियन डालर मांग रहे थे, अमरीका ने नहीं दिये, लेकिन जापान देने के लिए तैयार हो गया। रूस के कितने टुकड़े हुए, यह इतिहास गवाह है। आज सुषमा जी हों, मुलायम सिंह जी हों या माननीय सौगत राय जी हों, सभी लोग ठीक बोल रहे हैं, चाहे छोटे आदमी हों चाहे बड़े आदमी हों, सब जगह हाहाकार मचा हुआ है। जैसे ही आपने यहाँ से 10 सवाल और कदम उठाने का एनाउंसमेंट किया, बाजार ने आपको सलामी दे दी। ऐसी सलामी दी कि देश भर में हाहाकार मच गया। आप कानून पर कानून बना रहे हैं और कह रहे हैं कि घबराइये नहीं, हर एक महीने बाद कहते हैं कि ठीक हो जाएगा। कहते हैं कि " हम तो हैं " और उसी "हम तो हैं " के चलते हम ऐसी स्थिति में पहुँच गये। अफवाह उड़ी हुई है कि हम अपना सोना गिरवी रखेंगे, तो मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि देश के इतिहास में करेंसी के साथ देश की सारी स्थिति जुड़ी रहती है और रूस हमारे सामने एक बड़ा उदाहरण है। इसलिए सरकार और प्रधान मंत्री बताएं कि क्या रास्ता है और वे हमसे क्या मदद चाहते हैं, हम सारी मदद देने के लिए तैयार हैं लेकिन देश को बचाइये, देश डूब रहा है। इसलिए प्रधान मंत्री जी को आने आना चाहिये और इस पर किसी दूसरे को जवाब नहीं देना चाहिए।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam, it is a matter of great concern that after we had in-depth, structured debate in this House, and after announcing 10 steps to be taken by the Government to contain and control the fall in rupee, the value of rupee has further fallen. After announcement of 10 steps that the Finance Minister wants to take to address the situation, immediately the value of rupee has fallen and in comparison to dollar, it increased to Rs. 68.80.

अब जब हम यहाँ से निकलेंगे, तो एक डालर की कीमत 70 रुपए हो जाएगी। As Mulayam Singh Yadavji said just now, this is all because of the neo-liberal economic policy which the Government has been following for the last 20 years.

MADAM SPEAKER: Please conclude now.

SHRI BASU DEB ACHARIA : Due to this liberal economic policy, there has been a crisis in the economic situation, the value of the rupee is coming down, export is decelerating, import is increasing, there is increase in unemployment, growth in employment is reduced to 0.8 per cent, prices of all the essential commodities are increasing, the price of diesel was increased, the price of petrol was also increased and as a result of this, the prices of all other commodities are increasing and the people of this country are in a miserable condition.

MADAM SPEAKER: Please conclude.

SHRI BASU DEB ACHARIA: Madam, the situation is very bad. So, we demand that the Prime Minister should come and

make a statement and assure this House as to what steps the Government wants to take to address the situation.

शेख सैदुल हक (बर्धमान-दुर्गापुर): अध्यक्ष महोदया, मैं अपने आपको श्री बसुदेव द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करता हूँ।

MADAM SPEAKER: Now Dr. Thambidurai. Please be very brief.

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): Madam Speaker, only day before yesterday we discussed the economic situation of our country in this House and the Finance Minister replied to the debate. We saw that the hon. Prime Minister was also sitting here at that time. When the Finance Minister replied, he mentioned about 10 steps that he has taken to improve the situation. As the 10 commandments of Moses, he thought that those 10 steps will be like 10 commandments and there will be a miracle. But what happened? He made a usual, routine statement.

MADAM SPEAKER: Please conclude. I have requested you to be brief.

DR. M. THAMBIDURAI: The Finance Minister said that for promoting investment, he gave permission for 27 companies to invest to the tune of Rs. 1,83,000 crore. All these 27 companies are big companies.

MADAM SPEAKER: You have made your point. Please conclude now.

DR. M. THAMBIDURAI: Madam, he is only supporting big corporate houses. He is not bothered about the common man, he is not bothered about small industries, he is not bothered about the agriculture sector and this Government is colluding with big corporate houses. Today, a top man from a big corporate house said that India has lost the economic confidence at the international level. That is the situation....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपने अपनी बात कह दी है। अब आप श्री दारा सिंह चौहान को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

DR. M. THAMBIDURAI: The Government has not taken the State Governments into confidence. They are neglecting the State Governments. They are also raising the price of diesel and petrol. By raising the prices of diesel and petrol, the economic situation will worsen further. Therefore, I request that they should concentrate on the development of the States and they should take all the State Governments into confidence....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : केवल श्री दारा सिंह चौहान की बात रिकार्ड में जाएगी।

(Interruptions) â€¦*

MADAM SPEAKER: I am not having a debate for everyone here. We are in the middle of the Question Hour.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

(Interruptions) â€¦*

अध्यक्ष महोदया : दारा सिंह जी, आप बहुत संक्षेप में बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): अध्यक्ष महोदया, आज देश में काबिल अर्थशास्त्री के प्रधानमंत्री होने के बावजूद भी जिस तरीके से रुपए का अवमूल्यन हो रहा है, निश्चित रूप से यह चिंताजनक है। पूरा देश इस बात से चिंतित है। जिस तरह से राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है, इससे आने वाले दिनों में और भी तेजी से रुपए का अवमूल्यन होगा।

महोदया, मैं इसलिए कहना चाहता हूँ कि यह चिंता की बात है क्योंकि जिस देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था, आज इस देश का सोना गिरवी रखने की जो चर्चा हो रही है, इससे पूरे देश के लोग चिंतित हैं। जिस तरह से बेरोजगारी बढ़ रही है, हमारा इम्पोर्ट बढ़ रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान: मुझे आशंका है कि आने वाले दिनों में रुपए के अवमूल्यन में निरंतरता रहेगी। मैं इसलिए मांग करता हूँ कि प्रधानमंत्री जी जो कि काबिल अर्थशास्त्री भी हैं, देश के सामने अपना वक्तव्य दें।

MADAM SPEAKER: Shri Nama Nageswara Rao, you just associate yourself with it. Don't make a long speech.

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): अध्यक्ष महोदया, कंट्री की इकोनॉमिक सिचुएशन के ऊपर पिछले दो साल से पूरा ओपोजिशन डिस्कॉशन कर रहा है। सेशन शुरू होने से पहले लीडर्स की जो मीटिंग बुलाई गयी थी, उस में भी हम लोगों ने कहा था कि देश की इकोनॉमिक सिचुएशन बहुत खराब है और इसके ऊपर डिस्कॉशन होना चाहिए। आज रुपये की वैल्यू बहुत गिर गयी है, कंट्री की क्रेडीबिलिटी गिर गयी है। इसकी पूरी जिम्मेदार यह गवर्नमेंट है।... (व्यवधान) गवर्नमेंट की नीतियों की वजह से आज देश में यह इनफ्लेशन आया है।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

श्री नामा नागेश्वर राव: अध्यक्ष महोदया, इसलिए हम लोग इस पर प्रधानमंत्री का वक्तव्य चाहते हैं कि सरकार इस बारे में क्या अर्जेंट स्टेप लेने जा रही है?

अध्यक्ष महोदया: आप बोलिए, क्या बोलना चाहते हैं?

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको क्या हो रहा है?

SHRI ASADUDDIN OWAISI (HYDERABAD): Madam, we are concerned with the rising dollar rate. What will happen if tomorrow US attacks Syria because there are 5.5 millions Indians who are living in that area? Not only our rupee will fall, also what will be the fate of Indians if tomorrow US attacks Syria? I am more concerned about those 5.5 million Indians working in the Gulf. My request to the Government is to give reply on that point also... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदया : शोर मत मचाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Yes, please fold it and keep it next to you.

... (Interruptions)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI KAMAL NATH): Madam, we recognize the concerns of the Members on the fall of the rupee and the economic situation. Recognising this concern of the Members, the Prime Minister will make a statement... (Interruptions) let me finishâ€¦ in this House tomorrow at a time to be fixed by you... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदया: प्रश्न 262, कैप्टन जय प्रकाश नारायण निषाद।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Hon. Prime Minister.

THE PRIME MINISTER (DR. MANMOHAN SINGH): Madam Speaker, I have been informed of the concern expressed by all sections of this august House on the falling value of the Rupee. I respect the concern expressed and I will, therefore, make a statement in this august House at 1200 o'clock tomorrow.